

संसाधन भूगोल



डा.बी. एस. नेगी



विषय-सूची

अध्याय

विषय

पृष्ठ

भाग-प्रथम

संसाधनों की संकल्पना

1. **संसाधन परिचय** 1
विभिन्न उत्पादनों का कार्यात्मक अन्तर सम्बन्ध, भौगोलिक क्षेत्रों का विकास वृत्त, संसाधन भूगोल का विकास, संसाधन भूगोल का क्षेत्र संसाधन की उपयोगिता एवं पारिस्थितिकी संकट, संसाधन भूगोल का क्षेत्र, संसाधन की उपयोगिता एवं पारिस्थितिकी संकट, संसाधन-गत्यात्मक अथवा स्थैतिक संकल्पना।
2. **संसाधन भूगोल की विषय सामग्री** 18
विषय सामग्री का तात्पर्य, संसाधन भूगोल का क्षेत्र, प्राकृतिक संसाधनों का उत्पादन क्षेत्र, प्राकृतिक वितरण क्षेत्र संसाधनों का उपयोग क्षेत्र, पूँजी एवं संसाधनों का सम्बन्ध, जनसंख्या एवं संसाधनों का रहन-सहन पर प्रभाव, इत्यादि।
3. **संसाधनों की संकल्पना** 26
प्राकृतिक उपहार, संसाधनों की संकल्पना—पूँजीवादी विचारधारा, समाजवादी विचारधारा, संसाधनों की पर्याप्तता का सिद्धान्त, संसाधनों की न्यूनता का सिद्धान्त, संसाधनों की उपयोगिता एवं पारिस्थितिकी संकट, कार्बन वृत्त, वायु प्रदूषण इत्यादि।
4. **संसाधन होते नहीं बनते हैं** 33
संसाधन वही हैं जिससे उपयोगिता मिलती है, पर्याप्तता का गुण, संसाधनों की पहुँच, संसाधनों की समीप्यता, वातावरण का संयुक्त प्रभाव, संसाधनों का प्रश्न क्यों उठने लगा, अनगिनत आवश्यकतायें एवं सीमित संसाधन, बढ़ती हुई जनसंख्या की वृद्धि के अनुपात में संसाधनों की न्यूनता, सीमित संसाधन, सभ्यता एवं संस्कृति का प्रभाव, वैज्ञानिक प्रगति एवं तकनीकी ज्ञान, भौतिकवादी सभ्यता का विकास।
5. **संसाधनों का वर्गीकरण** 49
संसाधनों के उपयोग में मानवीय काट-छाँट, संसाधन वातावरण के उपहार हैं, मानवीय उपयोग क्षेत्र, आखेट तथा मत्स्य क्षेत्र प्राकृतिक वनस्पति का शोषण क्षेत्र, पशुचारण क्षेत्र, खनन क्षेत्र, कृषि क्षेत्र, इत्यादि संसाधनों का वर्गीकरण, भौतिक एवं जैविक संसाधनों की तुलना, संसाधनों का यथेष्ट वर्गीकरण।
6. **मानव का सामाजिक-आर्थिक अभ्युदय** 56
वातावरण का संयुक्त प्रभाव, अर्थव्यवस्था के प्रकार, कन्दमूल भक्षक, आखेट युग, झुण्ड पशु पालन, व्यापारिक पशुचारण, अर्थव्यवस्था, मत्स्य कर्म, वन व्यवसाय, कृषि व्यवसाय, कृषि के प्रकार, दस्तकारी युग, औद्योगिक युग इत्यादि।

भाग -द्वितीय
प्राकृतिक संसाधन

7. **नव्यकरीणय संसाधन** 74
नव्यकरीणय संसाधनों का वर्गीकरण, सौर्यिक ऊर्जा, सौर्यिक ताप सौर्यिक ताप का निर्गमन, ऊर्जा का विकिरण, पृथ्वी का ताप सन्तुलन। भूमि संसाधनों का वर्गीकरण, पर्वत संसाधनों के रूप में, पठारों का संसाधनों के रूप में प्रयोग, मैदान संसाधनों के रूप में।
8. **भूमि एक संसाधन** 93
भूमि संसाधनों का वर्गीकरण, पर्वत संसाधनों के रूप में, पठारों का संसाधनों के रूप में प्रयोग, मैदान संसाधनों के रूप में।
9. **मिट्टी संसाधन** 113
मिट्टी का संसाधनों के रूप में प्रयोग, मिट्टी का विश्व वितरण, चानोर्जम, लाल, पीली मिट्टी तथा रेतली मिट्टी, भारत की मिट्टी, मिट्टी की उर्वरा शक्ति, भूमि का अपरदन या कटाव, भूमि कटाव से प्रभावित क्षेत्र, भूमि अपरदन के कारण-अनियमित पशुचारण वनों का काटना, वर्षा का वेग, पवन का वेग, वानस्पतिक आवरण इत्यादि मिट्टी संरक्षण के उपाय।
10. **जल संसाधन** 132
जल संसाधनों का अनुमान, वर्गीकरण, मानव का जल संसाधनों से सम्बन्ध, सामुद्रिक खनिज संसाधन, सागर अमूल्य सम्पदा के भण्डार, सामुद्रिक जैविक सम्पदा, समुद्रों का उपयोग यातायात के रूप में, स्वेज नहर, पनामा नहर, कील नहर, सू सेट मेरी नहर, समुद्र तल में मत्स्य फार्म इत्यादि।
11. **आन्तरिक जलीय संसाधन** 174
आन्तरिक जलीय संसाधनों का महत्व, आन्तरिक जलीय साधनों का सिंचाई के रूप में प्रयोग, आन्तरिक जल यातायात में प्रयोग, डेन्यूव आन्तरिक यातायान, राइन आन्तरिक यातायात, याग्टसीक्यांग सेन्ट लारेन्स हाइवे, आन्तरिक जलीय संसाधन का सिंचाई के रूप में प्रयोग एवं विद्युत उत्पादन।
- भाग-तृतीय
खनिज संसाधन
12. **खनिज संसाधन** 171
खनिज, मानव सभ्यता एवं संस्कृति के आधार स्तम्भ, खनिजों का संसाधनों के रूप में प्रयोग खनिज का वर्गीकरण भवन निर्माणकारी खनिज मानव जीवन में खनिज का महत्व, धात्विक खनिज, बहुमूल्य खनिज, सामरिक खनिज, खनिजों का उपयोग एवं विश्व वितरण इत्यादि।

भाग-चतुर्थ
शक्ति के संसाधन

- 13. शक्ति के संसाधन** 228
शक्ति के संसाधनों का वर्गीकरण, कोयला शक्ति का मुख्य संसाधन, कोयला उद्योग धन्धों की जननी, कोयले का प्रयोग, कोयले का वर्गीकरण, विश्व-वितरण, विश्व-व्यापार, भण्डार उत्पादन एवं गौण उत्पादन एवं गौण उत्पादन, व्यापार इत्यादि।
- 14. खनिज तेल** 258
खनिज तेल की उत्पत्ति, पतदार संरचना के क्षेत्र का वितरण, मुख्य उत्पादन क्षेत्र, यू० एस० ए० के तेल भण्डार, सोवियत संघ के क्षेत्र, दक्षिणी पश्चिमी एशिया के क्षेत्र, तेल का प्रयोग, तेल भण्डार, व्यापार, तेल का संरक्षण प्राकृतिक गैस।
- 15. जल-विद्युत शक्ति** 292
विश्व में शक्ति की पेटियाँ, विद्युत के लिए भौगोलिक दशायेँ, सम्भावित शक्ति, विद्युत शक्ति का वितरण, टेनेसी घाटी योजना, कनाडा के जल शक्ति क्षेत्र, यूरोप के विद्युत संसाधन, भारत के विद्युत उत्पादन केन्द्र उत्पादन, परमाणु शक्ति।
- भाग-पंचम
जैविक संसाधन
- 16. जैविक संसाधन** 318
जैविक संसाधनों का भौगोलिक क्षेत्र, पशु एवं वन संसाधनों में अन्तर, पशु संसाधन, मृत्तिका वृत्त, विश्व वितरण, क्रमवध पशुचारण- पशुओं से ऊन प्राप्ति, ऊन उत्पादन क्षेत्र विश्व के पशुचारण क्षेत्र, मुर्गी पालन, पशुपालन का उद्देश्य एवं आर्थिक विकास में उनका सहयोग इत्यादि।
- 17. मत्स्य-भविष्य संसाधन** 345
मत्स्य आहार महत्व, भविष्य संसाधन, मत्स्य आहार वृत्त, मत्स्योत्पादन के लिए भौगोलिक परिस्थितियाँ, वर्गीकरण, विश्व वितरण, मुख्य मत्स्य उत्पादन क्षेत्र, तटवर्तीय क्षेत्र, समुद्री मत्स्य क्षेत्र, शीतोष्ण कटिबन्धीय क्षेत्र, उष्ण कटिबन्धीय क्षेत्र, विश्व वितरण, व्यापार इत्यादि।
- 18. वन संसाधन** 377
वन संसाधनों के वितरण पर चट्टानों, मिट्टी एवं जलवायु का प्रभाव, वन संसाधनों का वर्गीकरण, वितरण, वनस्पति का पारिस्थितिकी वितरण, घास के मैदानों का वितरण, मानव का वन संसाधनों से परिस्थितिकी सामंजस्य, वन संसाधनों के साथ व्यापारिक समायोजना, वन संसाधनों से औद्योगिक सामंजस्य, रबड़ का विश्व वितरण, वनों का त्रिविस्तारिण्य उपयोग।

भाग-षष्ठम्
मानव संसाधन

19. **मानव एक संसाधन** 418
प्राकृतिक संसाधनों में मानव संसाधनों की स्थिति, मानव संसाधनों एवं प्राकृतिक संसाधनों के भौगोलिक सम्बन्ध, मानव संसाधनों का भौगोलिक सिद्धान्त, मानव एवं प्राकृतिक संसाधनों में अन्तर।
20. **मानव संसाधनों का वितरण** 427
मानव संसाधनों का महत्व, जनसंख्या का विकास, विश्व की जनसंख्या का वितरण, संयुक्त राज्य, रूस, अफ्रीका, एशिया के जनसंख्या का वितरण, विश्व के मानव शून्य क्षेत्र प्रभावित करने वाले तत्व इत्यादि।
21. **भारत में मानव संसाधनों का वितरण** 462
जनसंख्या का विकास, स्त्री-पुरुषों का अनुपात, जनसंख्या में साक्षरता दर, जनसंख्या को प्रभावित करने वाले कारक, वितरण, विशेषता, नगरीय जनसंख्या, जनसंख्या की वृद्धि एवं खाद्यान्नों की पूर्ति।
22. **जनसंख्या की समस्या तथा संसाधन** 479
संसाधनों की तुलना में जनसंख्या का विस्तार, पृथ्वी की जनसंख्या की भरण-पोषण करने की शक्ति, पृथ्वी के मानव शून्य क्षेत्र, जनसंख्या की समस्या का हल।
- भाग-सप्तम्
कृषि संसाधन
23. **कृषि संसाधन** 491
विश्व में कृषि संसाधन का प्रारूप पुरातन कृषि की विशेषतायें, मुख्य फसलों का वर्गीकरण फसलों का पारस्परिक महत्व, कृषि को प्रभावित करने वाले तत्व, मुख्य खाद्यान्नों का वर्गीकरण, गेहूँ, उ० अमेरिका, सोवियत संघ तथा अन्य क्षेत्र चावल, मक्का, राई, जई इत्यादि।
24. **पेय पदार्थ** 525
पेय पदार्थों का वर्गीकरण, चाय, भौगोलिक दशायें भरत में चाय का उत्पादन, चीन, इण्डोनेशिया, जापान, रूस, अफ्रीका वाले देश कहवा-भौगोलिक दशायें, उत्पादन क्षेत्र, द० अमेरिका, अफ्रीका, भारत व्यापार, तम्बाकू के उत्पादन क्षेत्र, व्यापार, कोको के लिए भौगोलिक क्षेत्र तथा व्यापार इत्यादि।
25. **रेशेदार फसलें** 550
कपास भौगोलिक दशायें, उत्पादन क्षेत्र-अमेरिका, सोवियत संघ, चीन, भारत, अन्य देश तथा व्यापार। जूट की खेती तथा उत्पादक चीन, भारत, अन्य देश तथा व्यापार। जूट की खेती तथा उत्पादक देश। रेशम की खेती चीन, जापान भारत इत्यादि। ऊन उत्पादक राष्ट्र-आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, रूस, अर्जेण्टाइना दक्षिणी अफ्रीका इत्यादि। कृत्रिम रेशे, उत्पादन, व्यापार इत्यादि।

अध्याय	विषय	पृष्ठ
26.	व्यापारिक फसलें गन्ना भौगोलिक दशायें, उत्पादक देश, भारत, क्यूबा, चीन, पाकिस्तान, जावा मैक्सीको, हवाई द्वीप समूह एवं चुकन्दर-भौगोलिक दशायें एवं उत्पादक देश, विश्व वितरण, तिलहन मूँगफली का विश्व वितरण नारियल, रबर भौगोलिक दशायें कांगो बेसिन, अमेजिन बेसिन, द० पू० एशिया, अन्य देश व्यापार इत्यादि।	576
27.	कृषि प्रदेश वर्गीकरण का आधार, हीटल्सी एवं शा का वर्गीकरण, यथेष्ट वर्गीकरण का आधार-फसलों का संयोजन, विशिष्टीकरण, भूमि उपयोगिता की तीव्रता भूमि का आर्थिक महत्व, प्राविधीकरण का प्रयोग इत्यादि।	590
28.	आहार का विश्व वितरण मानव का भोजन, भोजन का ऐतिहासिक वितरण, प्रोटीन पदार्थों का विश्व वितरण, भारत में आहार का भौगोलिक वितरण, भारतीयों के लिए वास्तविक कैलोरीज की मात्रा, आहार का विश्व वितरण इत्यादि।	621
29.	संसाधन क्षेत्र परिभाषा, संसाधन क्षेत्रों के निर्धारण के तत्व, मुख्य संसाधन क्षेत्र, बहुलता का क्षेत्र, प्रगतिशील क्षेत्र, प्रयोग क्षेत्र, मन्द विकास का क्षेत्र, संसाधन क्षेत्रों की वाधित विकास का क्षेत्र, न्यूनता का क्षेत्र, कठिनाइयों का क्षेत्र।	632
30.	आर्थिक विकास आर्थिक विकास की परिभाषा, आर्थिक विकास का महत्व, विकसित तथा विकासशील देशों में अन्तर, आर्थिक विकास के निर्धारक, तत्व, आर्थिक विकास की अवस्थायें, आर्थिक विकास की अवस्थाओं में भेद, आर्थिक विकास में लागत तत्व, माँग एवं पूर्ति पक्ष, आर्थिक विकास एवं पारिस्थितिकी सन्तुलन, आर्थिक प्रदेश, आर्थिक विकास, भौगोलिक इकाई के रूप में, विश्व के आर्थिक प्रदेशों का वितरण।	646
31.	भारत के आर्थिक प्रदेश आर्थिक नियोजन, भारत में आर्थिक प्रदेशीकरण, प्राकृतिक आर्थिक प्रादेशिकरण, ऊर्जा संसाधन प्रदेश, राज्य एक नियोजित प्रदेश, अवयवीय आर्थिक प्रादेशिकरण मुख्य आर्थिक प्रदेशों का वितरण, कोलोसौभस्की का ऊर्जा उत्पादन वृत्त।	670
32.	भारत के संसाधन प्रदेश परिचय, जनसंख्या एवं संसाधन प्रदेश, गत्यात्मक संसाधन प्रदेश, उन्नतिशील संसाधन प्रदेश, समस्यात्मक संसाधन प्रदेश, मुख्य संसाधन प्रदेशों का वितरण, इत्यादि।	678

भाग अष्टम्
संसाधनों की उपयोगिता

33. **संसाधनों की उपयोगिता** 688
उपयोगिता का तात्पर्य, उद्योग, भारी उद्योगों का, वर्गीकरण, लोहा एवं इस्पात का उद्योग विश्व वितरण, उत्पादन विश्व व्यापार।
34. **सूती-वस्त्र उद्योग** 706
केन्द्रीकरण के तत्व, विश्व सूती वस्तु उद्योग, उत्पादन वितरण, हथकरघा उद्योग, ऊनी वस्त्र उद्योग, कृत्रिम रेशे उद्योग, जूट की समस्यायें एवं उद्योग का विकास, उत्पादन एवं व्यापार।
35. **शक्कर उद्योग** 734
उद्योग का विकास, प्रभावित करने के तत्व, विश्व वितरण, भविष्य उद्योग की समस्यायें।
36. **अन्य उद्योग** 743
कागज उद्योग, सीमेंट उद्योग, चीनी-मिट्टी के बर्तनों का उद्योग, काँच उद्योग इत्यादि।
37. **प्रमुख औद्योगिक क्षेत्र** 759
औद्योगिक प्रदेशों की व्याख्या, औद्योगिक प्रदेशों का सीमांकन, औद्योगिक राष्ट्र, विभिन्न राष्ट्रों के औद्योगिक प्रदेश तथा उनका वितरण।
- भाग-नवम्
संसाधनों का संरक्षण
38. **संसाधनों का संरक्षण** 782
परिस्थितिकी संकट, पारिस्थितिकी असन्तुलन का प्रारम्भ, तकनीकी ज्ञान एवं पारिस्थितिकी सन्तुलन, जनसंख्या की वृद्धि, प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण।
39. **मिट्टी, वनस्पति एवं जल संसाधनों का संरक्षण** 793
मिट्टी वनस्पति एवं जल संसाधनों के संरक्षण की समस्यायें, मिट्टी संसाधनों के संरक्षण के उपाय, विश्व वितरण तथा नवीन तकनीकी शुष्क जलवायु वाले क्षेत्रों में भूमि संरक्षण, विभिन्न देशों में भूमि एवं जल संरक्षण के उपाय-संयुक्त राज्य, ब्रिटेन, फ्रांस, भारत एवं अन्य राष्ट्र।
40. **खनिज एवं शक्ति के संसाधनों का संरक्षण** 816
खनिज एवं शक्ति के संसाधनों के संरक्षण के विभिन्न उपाय, भारत में कोयला संरक्षण संस्थायें, वैज्ञानिक उपाय, तेल संरक्षण के विधि उपाय।